मा0 राज्यपाल जी
से
संबंधित समाचार

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम..... अमर उजाला

दिनांक..... 02 APR 2026

आस्था संग सावधानी हो चारधाम यात्रा का मूलमंत्र

एचएनबी मेडिकल विवि की ओर से यात्रा में चिकित्सा पर सेमिनार में बोले राज्यपाल

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि आस्था के साथ सावधानी को मूलमंत्र बनाएंगे तो चारधाम यात्रा और अधिक सुरक्षित हो सकेगी। बुधवार को लोक भवन में हेमवती नंदन बहुगुणा चिक्रित्सा शिक्षा विवि की ओर से चार धाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय विषय पर हुए सेमिनार में विशेषज्ञों ने अहम सुझाव दिए।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि चार धाम यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कहा कि आस्था के साथ सावधानी चार धाम यात्रा का मूलमंत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रियों को चाहिए कि वे यात्रा से पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं, विशेष रूप से बुजुर्ग व्यक्ति चिकित्सकीय सलाह लेकर ही यात्रा करने के लिए आएं। कहा कि पर्वतीय मार्ग जितने सुंदर हैं, उतने ही संवेदनशील भी हैं, जो दुर्घटनाओं के जोखिम को बढ़ाते हैं।सेमिनार में स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, अपर सचिव रीना जोशी, विवि कुलपति प्रो. भानु दुग्गल, डॉ. महावीर सिंह, डॉ. एके सिंह, डॉ. प्रांजलि थापा, विवि कुलसचिव डॉ. आशीष उनियाल, परीक्षा नियंत्रक प्रो. विजय जुयाल सहित विभिन्न कॉलेजों के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

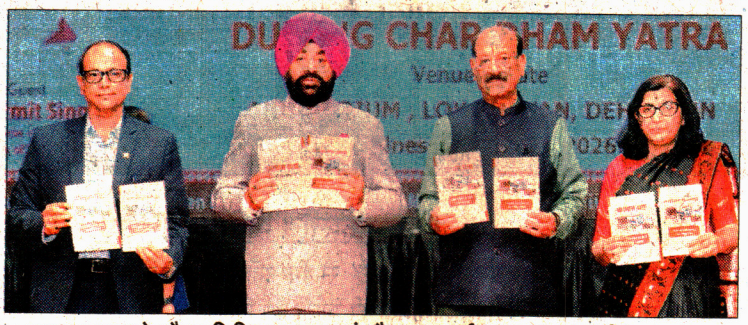

चारधाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय विषय पर एक दिवसीय सेमिनार में पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक का विमोचन करते राज्यपाल। सूचना विभाग

एक-दो दिन मध्यम ऊंचाई पर रुक जाएं, फिर चढ़ें पहाड़

हृदय रोग विशेषज्ञ पद्मश्री प्रो. (डॉ.) एससी मनचंदा ने यात्रियों के लिए उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर अहम जानकारी दी। कहा कि यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं। ऊंचाई पर धीरे-धीरे चढ़ाई करें। शुरू के एक-दो दिन मध्यम ऊंचाई पर रुककर शरीर को अनुकूल होने का समय दें। डॉ. मनचंदा ने मानसिक शांति के लिए योग एवं ध्यान को भी बेहद उपयोगी बताया। यह भी कहा कि यात्रियों को अपने स्वास्थ्य की नियमित निगरानी करनी चाहिए, जैसे पल्स ऑक्सीमीटर एवं रक्तचाप की जांच करते रहना, दवाओं का सेवन नियमित रूप से करना व किसी भी चेतावनी लक्षण की स्थिति में निकटतम चिकित्सा सुविधा से तुरंत संपर्क करना चाहिए। मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी के डॉ. पंकज ने पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के बाद तत्काल दिए जाने वाले प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) के बारे में बताया। एम्स गोरखपुर के ऑर्थोपेडिक विभाग के एचओडी डॉ. आशुतोष तिवारी ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ऊंचाई, ऑक्सीजन की कमी और अत्यधिक ठंड के कारण मस्तिष्क एवं तंत्रिका तंत्र पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी दी।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 02 APR 2026

आस्था के साथ सावधानी चारधाम यात्रा का मूलमंत्र

राज्यपाल ने पर्वतीय मार्गों पर सतर्कता पर दिया जोर

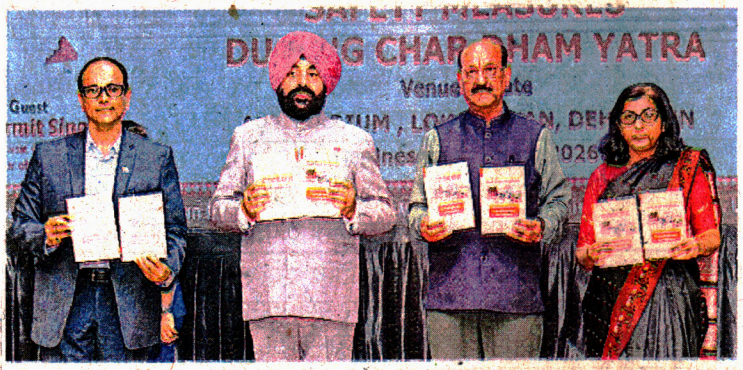

लोकभवन में आयोजित सेमिनार में पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक का विमोचन करते राज्यपाल ले जनरल गुरमीत सिंह (सेनि), स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल, सचिव राज्यपाल रविनाथ रमन और चिकित्सा शिक्षा विवि की कुलपति प्रो. भानु दुग्गल ● सूवि

जागरण संवाददाता, देहरादून: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि आस्था के साथ सावधानी चारधाम यात्रा का मूलमंत्र होना चाहिए। एचएनबी चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा 'चारधाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय' विषय पर आयोजित सेमिनार में उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय मार्ग जितने सुंदर हैं, उतने ही संवेदनशील भी हैं। यहां सड़क दुर्घटनाओं का जोखिम अधिक रहता है, इसलिए यात्रियों और आम लोगों को लगातार सतर्क व जागरूक रहना चाहिए।

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि चारधाम यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा सरकार और प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की रक्षा के लिए आस्था और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि यात्रा पर निकलने से पहले अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराएं। विशेष रूप से बुजुर्ग श्रद्धालु चिकित्सकीय सलाह लेकर ही यात्रा करें। इससे कई स्वास्थ्य जोखिमों से बचा जा सकता है। राज्यपाल ने सड़क दुर्घटनाओं में गोल्डन आवर के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि समय पर चिकित्सा सहायता मिलने से कई जीवन बचाए जा सकते हैं। इसके लिए आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था व ट्रामा केयर प्रणाली को और मजबूत करने की आवश्यकता है। सेमिनार में विशेषज्ञों ने भी चारधाम यात्रा के दौरान स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। हृदय रोग विशेषज्ञ पद्मश्री डा. एससी मनचंदा ने कहा कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच जरूरी है और धीरे-धीरे ऊंचाई पर चढ़ाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शुरुआती दिनों में मध्यम ऊंचाई पर रुककर शरीर को अनुकूल होने का समय देना चाहिए।

मेडिकल कालेज हल्द्वानी के डा. पंकज ने पर्वतीय मार्गों पर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित ड्राइविंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक उपचार की सही जानकारी जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक का भी विमोचन किया गया, जिसमें यात्रियों के लिए आवश्यक सावधानियों का उल्लेख है।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम हिन्दुस्तान

दिनांक 02 APR 2016

'चारधाम यात्रा में सावधानी जरूरी'

देहरादून, मुख्य संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कहा कि चारधाम यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा हमारी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान आस्था के साथ सावधानी बेहद जरूरी है।

लोकभवन में बुधवार को हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विवि की ओर से चार धाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि आस्था के साथ सावधानी चार धाम यात्रा का मूलमंत्र होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यात्री यात्रा से पूर्व स्वास्थ्य परीक्षण जरूर कराएं। इस दौरान राज्यपाल ने पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक का भी विमोचन किया।

चारधाम यात्रा पर आयोजित सेमिनार में बोले राज्यपाल

- चारधाम यात्रा में 243 डॉक्टर किए गए तैनात
- श्रद्धालुओं से यात्रा पर आने से पहले स्वास्थ्य परीक्षण का अनुरोध

स्वास्थ्य सेवाओं पर फोकस : उनियाल

स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि चारधाम यात्रा न केवल आस्था का विषय है बल्कि राज्य की आर्थिकी का मजबूत आधार भी है। उन्होंने कहा कि सरकार श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष फोकस कर रही है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में 243 डॉक्टर तैनात किए गए हैं जिसमें विशेषज्ञ भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सभी श्रद्धालुओं से यात्रा पर आने से पहले स्वास्थ्य परीक्षण कराने का अनुरोध किया गया है।

चार धाम यात्रा को सरकार पूरी तरह तैयार: महाराज

देहरादून। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चार धाम यात्रा तैयारियों को लेकर कहा कि सरकार स्तर से सभी पुख्ता इंतजाम हो गए हैं। यात्रा को सुगम, सुखद और सुरक्षित बनाने को सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। महाराज ने कहा कि चारधाम यात्रा में आने से पहले यात्री ऑनलाइन पंजीकरण जरूर कराएं। प्रशासन स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। महाराज ने कहा कि चारों धामों में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगम यात्रा को सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम..... शाह टाइम्स

दिनांक..... 02 APR 2026

चारधाम यात्रा सुरक्षित बनाने को चिकित्सा एवं सड़क सुरक्षा पर मंथन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हेमवती नंदन बहुगुणा चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय ने बुधवार को लोक भवन में 'चार धाम यात्रा के दौरान चिकित्सा समस्याएं और सड़क दुर्घटना सुरक्षा उपाय' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। इस सेमिनार में विषय विशेषज्ञों द्वारा ऊंचाई पर होने वाली बीमारी से बचाव एवं पूर्व तैयारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा किए।

सेमिनार में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा कि चार धाम यात्रा से जुड़े लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जीवन की रक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी आस्था और सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए

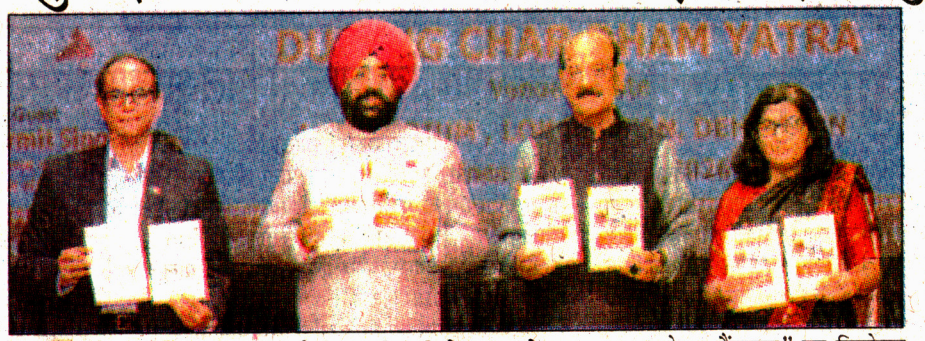

■ सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए 'पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक' का किया विमोचन ■ पर्वतीय मार्गों में सावधानी जरूरी, चारधाम यात्रा के लिए जागरूकता पर दिया जोर

मानव जीवन की रक्षा का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। राज्यपाल ने सड़क दुर्घटनाओं में "गोल्डन आवर" के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि समय पर चिकित्सा सहायता मिलने से अनेक जीवन बचाए जा सकते हैं। उन्होंने आपातकालीन चिकित्सा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने और ट्रॉमा केयर पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने का आह्वान किया। इस अवसर पर सुरक्षित चारधाम यात्रा के लिए "पिलग्रिमेज एजुकेशन हैंडबुक" का विमोचन भी किया गया। इस सेमिनार में सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, अपर सचिव रीना जोशी, कुलपति प्रो. भानु दुग्गल, वरिष्ठ चिकित्साधिकारी लोक भवन डॉ. महावीर सिंह, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. प्रांजलि थापा, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. आशीष उनियाल आदि मौजूद रहे।

सुरक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकार का विशेष फोकस: उनियाल

देहरादून स्वास्थ्य मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड देश का प्रमुख आस्था केंद्र है, जहां हर साल करोड़ों श्रद्धालु पहुंचते हैं। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था का भी मजबूत आधार है। इससे स्थानीय लोगों को होमस्टे, स्थानीय उत्पादों और अन्य सेवाओं के जरिए रोजगार के अवसर मिलते हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। इसी के तहत 243 चिकित्सा अधिकारियों की तैनाती की गई है, जिनमें 33 विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं, ताकि आपात स्थिति में तुरंत इलाज मिल सके।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर
समाचार पत्र का नाम The Pioneer
दिनांक 02 APR 2016

Combine faith with caution: Governor to Char Dham Yatra pilgrims

PIONEER NEWS SERVICE ■ Dehradun

Governor lieutenant general (retd), Gurmit Singh has said 'faith combined with caution' should be the motto of the Char Dham Yatra. He said that the protecting health and lives of the millions of pilgrims visiting the State for the Yatra should be the top priority of the government.

He was addressing a seminar 'Medical Problems and Road Accident Safety Measures during the Char Dham Yatra' at Lok Bhawan on Wednesday. The seminar was organised by the Hemwati Nandan Bahuguna Medical Education University.

The governor said that pilgrims should undergo a health checkup before embarking on the journey and that awareness and encouragement, especially for the elderly, is essential.

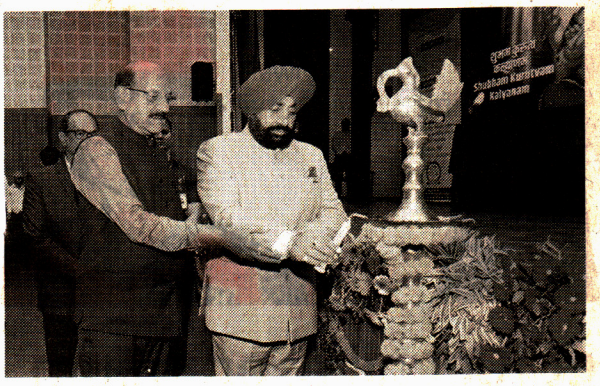

Underscoring the importance of the 'golden hour' in road accidents, he said that timely medical assistance can save many lives.

Noted cardiologist and recipient of Padmashree, Dr SC Manchanda said that the travellers should get a health check-up before traveling. He said that the pilgrims should climb slowly and initially stay at moderate altitudes for one to two days to allow their body to acclimatise.

The head of department of Orthopedics at AIIMS Gorakhpur, Dr Ashutosh Tiwari discussed in detail the neurological problems common in the high Himalayan regions. He explained the effects of altitude, oxygen deficiency, and extreme cold on the brain and nervous system, detailing their symptoms, risks and preventive measures.

Health minister Subodh Uniyal, secretary to the governor Ravinath Raman, vice chancellor Bhanu Duggal anc others attended the programme.

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर
समाचार पत्र का नाम Garhwal Post
दिनांक 02 APR 2026

Deliberations held on Medical & Road Safety Measures to ensure safe Char Dham Yatra

Govt has strengthened health, safety preparedness for Yatra: Subodh Uniyal

Garhwal Post Bureau

DEHRADUN, 1 Apr: A one-day seminar on "Medical Issues and Road Safety Measures during the Char Dham Yatra" was organised on Wednesday at the Lok Bhawan, here, by HNB Medical University. Experts shared important insights on high-altitude sickness, preventive measures, and pre-travel preparation.

On the occasion, Health Minister Subodh Uniyal asserted that the state government is according top priority to ensuring safety and robust healthcare services for pilgrims undertaking the Char Dham Yatra.

Governor Lt Gen (Retd) Gurmit Singh and Uniyal jointly inaugurated the event and released the "Pilgrimage Education Handbook".

Addressing the gathering, Uniyal said that Uttarakhand, revered as Devbhoomi, is one of the country's major spiritual centres, attracting crores of devotees from across the nation every

Please see page ...2

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

Garhwal Post
समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक..... 02 APR 2026

Govt has strengthened health, safety preparedness for Yatra ...

Contd from page ...1

year. He noted that the Char Dham Yatra is not only a matter of deep faith but also a vital pillar of the state's economy, generating self-employment opportunities for local residents. He observed that initiatives such as homestays, promotion of local products and allied services are playing a significant role in strengthening the rural economy.

The minister stated that ensuring convenience, safety and access to quality healthcare for pilgrims remains the foremost priority of the government. In this regard, extensive preparations have been undertaken to make the Yatra organised and secure. He informed the gathering that 243 medical officers, including 33 specialist doctors, have been deployed by the state government to ensure prompt and effective medical assistance in case of emergencies.

Governor Lt General Gurmit Singh (Retd) emphasised that ensuring the safety, health, and lives of lakhs of pilgrims is the highest priority. He described the seminar as a significant initiative to protect human life while respecting faith.

He stated, "Faith must go hand in hand with caution as the guiding principle for the Char Dham Yatra. Pilgrims should undergo medical check-ups before starting the journey, and elderly travellers should take medical advice before embarking." The Governor also noted that Uttarakhand's mountain roads, while scenic, are highly sensitive and accident-prone,

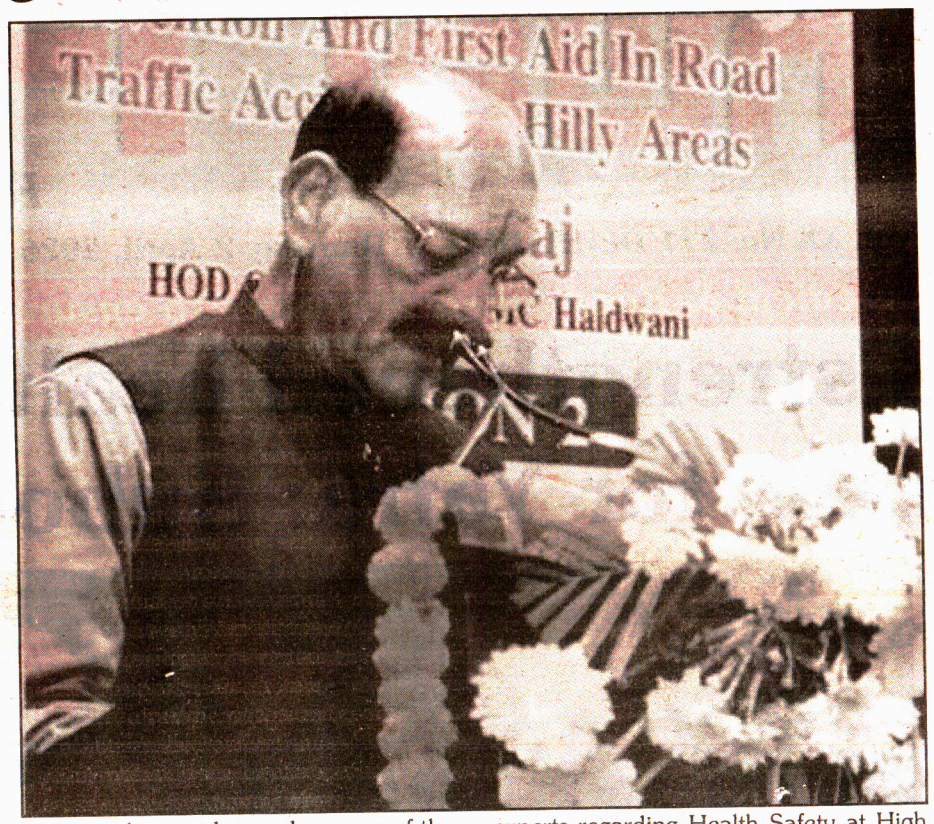

and people must be made aware of the risks.

He highlighted the importance of the "Golden Hour" in road accidents, noting that timely medical care can save many lives. He also called for strengthening emergency medical systems and focusing on trauma care.

Recommendations were made by experts regarding Health Safety at High Altitudes. Renowned cardiologist Padma Shri awardee Prof (Dr) SC Manchanda advised a mandatory health check-up before travel; gradual ascent to higher altitudes; spending 1–2 days at moderate altitude for acclimatisation; practicing yoga and meditation for mental well-being.

He also stressed monitoring health regularly (pulse oxymeter, blood pressure), adhering to medicines, and contacting the nearest medical facility immediately if any warning signs appear.

Dr Pankaj from Government Medical College, Haldwani highlighted safe driving in mountainous terrain; awareness of geographical challenges; importance of immediate and correct first aid, which can prevent complications and save lives.

Dr Ashutosh Tiwari, HOD Orthopaedics at AIIMS Gorakhpur, spoke about effects of low oxygen levels and extreme cold on the brain and nervous system. He described the symptoms, risks, and preventive measures, as well as the importance of timely identification and proper medical management.

A "Pilgrimage Education Handbook" was released to provide pilgrims with detailed guidance on safety precautions during the Char Dham Yatra.

The seminar was attended by Health Minister Subodh Uniyal, Secretary to the Governor Ravinath Raman, Legal Advisor Kaushal Kishore Shukla, Additional Secretary Reena Joshi, Vice Chancellor Prof Bhanu Duggal, Senior Medical Officer Dr Mahavir Singh, Dr AK Singh, Dr Pranjali Thapa, Registrar Dr Ashish Uniyal and students from various colleges.

The seminar reinforced the message: Char Dham Yatra is a combination of faith and responsibility. Awareness, preparation, and caution are essential for a safe pilgrimage.

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

02 APR 2026

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक.....

आपदा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी सम्मानित

लोकभवन में हुआ कार्यक्रम, राज्यपाल बोले- ये अधिकारी, कर्मचारी अन्य के लिए प्रेरणास्रोत

देहरादून। पिछले साल सितंबर में आई आपदा में राहत व बचाव में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को बुधवार को राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने सम्मानित किया। उन्होंने सभी अधिकारियों के समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की और उन्हें अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

देहरादून में पिछले साल 15-16 सितंबर को सहस्त्रधारा-कार्लीगाड क्षेत्र में हुई बारिश और बादल फटने की घटना से बाढ़ की स्थिति पैदा हो गई थी। घटना के बाद जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किए गए। सम्मान समारोह आयोजित कराने के लिए राज्यपाल ने जिलाधिकारी सविन बंसल की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए आपदा प्रबंधन व पूर्व की तैयारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देना बेहद आवश्यक है। आपदा के समय सैनिकों, सुरक्षा बलों, प्रशासनिक अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों ने निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए आराम और सुरक्षा की परवाह नहीं की। मा.सिरि.

आपदा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले देहरादून जिले के सम्मानित कार्मिकों के साथ राज्यपाल। स्रोत : सूचना विभाग

ये कर्मचारी और अधिकारी हुए सम्मानित

सीडीओ अभिनव शाह, एडीएम कृष्ण कुमार मिश्रा, एसडीएम हर गिरी, एसडीएम कुमकुम जोशी, डीएसपी मनोज कुमार असवाल, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमए भट्ट, कनिष्ठ सहायक जिला सूचना कार्यालय इंद्रेश कोठारी, लाइनमैन यूपीसीएल अमन, कनिष्ठ अभियंता लोनिवि प्रदीप शाही।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 02 APR 2026

राज्यपाल ने आपदा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को किया सम्मानित

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने बुधवार को लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में आपदा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले देहरादून जिले के कार्मिकों को सम्मानित किया। उन्होंने सभी सम्मानित कर्मियों के समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

बीते 15-16 सितंबर 2025 की रात्रि को सहस्त्रधारा-कालीगाड क्षेत्र में भीषण वर्षा और बादल फटने की घटना के कारण बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई थी। आपदा की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और संबंधित विभागों की टीमें मौके पर पहुंचीं और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सहायता की। राज्यपाल ने जिलाधिकारी सविन बंसल की विशेष सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में एक फ्रंटलाइन लीडर के रूप में प्रभावी नेतृत्व किया और टीम के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया। राज्यपाल ने आपदा प्रबंधन में पूर्व तैयारी को अत्यंत आवश्यक बताते हुए कहा कि संकट के समय प्रशासन, सुरक्षाबलों और अन्य कर्मियों ने निस्वार्थ भाव से कार्य कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई है

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम.....हिन्दुस्तान

दिनांक.....02 APR 2018

समारोह

लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने देहरादून के कर्मचारियों और अधिकारियों को किया सम्मानित

आपदा में बेहतर काम पर डीएम समेत अफसर नवाजे

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि.) ने आपदा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने पर जिलाधिकारी सविन बंसल, एडीएम केके मिश्रा समेत जिले के कर्मचारियों और अधिकारियों को सम्मानित किया। बुधवार को लोकभवन में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राज्यपाल ने कहा कि डीएम बंसल ने कठिन समय में एक 'फ्रंटलाइन लीडर' के रूप में कार्य किया। जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित करने की पहल की भी सराहना की। कहा कि यह पहल अन्य लोगों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए आपदा प्रबंधन एवं पूर्व तैयारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रबिनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी, सीडीओ अभिनव शाह, एसडीएम हर गिरि, एसडीएम न्यायिक कुमकुम जोशी, सीओ मनोज कुमार असवाल आदि शामिल रहे।

राज्यपाल गुरमीत सिंह ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में आपदा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम........ शाह टाइम्स   दिनांक........ 02 APR 2026

आपदा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को राज्यपाल ने किया सम्मानित

• शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने आज लोक भवन में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में आपदा के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले देहरादून जिले के कार्मिकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी सम्मानित कार्मिकों के समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें अन्य कार्मिकों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया।

गौरतलब है कि जनपद देहरादून में 15-16 सितम्बर, 2025 की रात्रि को सहस्त्रधारा-कार्लीगाड क्षेत्र में हुई भीषण वर्षा एवं बादल फटने की घटना से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। घटना के तुरंत बाद जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुँची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए गए। इस आपदा में कई कार्मिकों द्वारा उत्कृष्ट कार्य किया गया, जिन्हें राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने जिलाधिकारी देहरादून श्री सविन बंसल की विशेष रूप से सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कठिन समय में एक "फ्रंटलाइन लीडर" के रूप में कार्य करते हुए न केवल प्रशासन का प्रभावी नेतृत्व किया, बल्कि अपनी टीम के साथ मिलकर उत्कृष्ट समन्वय एवं तत्परता का परिचय दिया। राज्यपाल ने जिला प्रशासन द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित करने की पहल की भी सराहना की और कहा कि यह पहल अन्य लोगों को बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित करती है। राज्यपाल ने कहा कि ऐसी परिस्थितियों को देखते हुए आपदा प्रबंधन एवं पूर्व तैयारी को सर्वोच्च प्राथमिकता देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय सैनिकों, सुरक्षाबलों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों ने निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए अपने आराम और सुरक्षा की परवाह किए बिना समाज और राष्ट्र की सेवा की है। उनका यह समर्पण और त्याग समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी, जिलाधिकारी देहरादून सविन बंसल एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह उपस्थित रहे।

■ राज्यपाल ने सभी सम्मानित कार्मिकों के समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें अन्य कार्मिकों के लिए प्रेरणा स्रोत बताया

इन अधिकारियो व कर्मचारियों का हुआ सम्मान

सम्मानित होने वाले अधिकारी एवं कर्मचारियों में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी कृष्ण कुमार मिश्रा, उप जिलाधिकारी हर गिरि, अपर उप जिलाधिकारी न्यायिक कुमकुम जोशी, पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार असवाल, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.ए. भट्ट, कनिष्ठ सहायक जिला सूचना कार्यालय देहरादून इन्द्रेश कोठारी, लाइनमैन यूपीसीएल देहरादून अमन, कनिष्ठ अभियन्ता लो.नि.वि. देहरादून प्रदीप शाही थे।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम..... Garhwal Post

दिनांक..... 02 APR 2026

Gov felicitates personnel for Outstanding Work during Disaster

Garhwal Post Bureau

DEHRADUN, 1 Apr: Governor Lt General Gurmit Singh (Retd) today felicitated personnel from Dehradun district who performed exceptionally during a recent disaster. The felicitation ceremony was held at the Lok Bhawan, here.

During the event, the Governor praised the dedication and professionalism of all awardees and described them as an inspiration for other personnel.

On the night of 15–16, 2025 September, the Sahastradhara-Karligad area of Dehradun district experienced heavy rainfall and a cloudburst, resulting in severe flooding. The district administration team promptly reached the site and began relief and rescue operations. Several personnel performed outstanding work during this disaster and were recognised by the Governor for their efforts.

The following officials and employees were honoured today - Chief Development Officer Abhinav Shah; Additional District Magistrate Krishna Kumar Mishra; Sub-Divisional Magistrate Har Giri; Additional Judicial Sub-Divisional Magistrate Kumkum Joshi;

Deputy Superintendent of Police Manoj Kumar Aswal; Senior Medical Officer Dr MA Bhatt; Junior Assistant, District Information Office, Dehradun, Indresh Kothari; Lineman, UPCL, Dehradun, Aman; and Junior Engineer, Loni Vikas, Dehradun, Pradeep Shahi.

The Governor also specifically praised District Magistrate Savin Bansal, highlighting his role as a "frontline leader" during the crisis. He not only provided effective administrative leadership but also demonstrated excellent coordination and responsiveness with his team.

The Governor emphasised that disaster management and preparedness must be a top priority. He noted that during disasters, soldiers, security forces, administrative officials, and other personnel serve selflessly, often putting their own safety and comfort aside for the welfare of society and the nation. Their dedication and sacrifice serve as an inspiration for all.

Also present at the event were Secretary to the Governor Ravinath Raman, Additional Secretary Reena Joshi, District Magistrate Savin Bansal, and Chief Development Officer Abhinav Shah.

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 02 APR 2026

राज्यपाल ने राजस्थान एवं ओडिशा राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। स्रोत :सूचना विभाग

स्थापना दिवस पर दिखी एक भारत, श्रेष्ठ भारत की झलक

लोक भवन में राजस्थान व ओडिशा के राज्य स्थापना दिवस का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। लोक भवन में एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत राजस्थान एवं ओडिशा राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तराखंड में कार्यरत राजस्थान एवं ओडिशा के अधिकारी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शुभकामनाएं देतें हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारत की विविधता में एकता की महान परंपरा के प्रतीक हैं, जो देश को एक सूत्र में बांधे रखते हैं। यह केवल स्थापना दिवस का उत्सव नहीं बल्कि भारत की सांस्कृतिक एकात्मता का जीवंत उदाहरण है। राज्यपाल ने एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि इस अभियान के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृति, भाषा और परंपराओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा मिल रहा है। इससे राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती मिल रही है।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देतीं कलाकार। स्रोत : सूचना विभाग

कार्यक्रम में पीसीसीएफ (हॉफ) डॉ. रंजन कुमार मिश्र, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. शारदा प्रसन्ना सुबुद्धि, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, अपर सचिव रीना जोशी, अपर सचिव रोहित कुमार मीणा, मुख्य वन संरक्षक सुशान्त कुमार पटनायक, मुख्य वन संरक्षक प्रसन्न कुमार पात्रो, ओडिशा समाज से प्रणति सुबुद्धि, डॉ. एसपी सुबुद्धि, बलबीर सिंह, डॉ. जानकी बल्लव रथ आदि उपस्थित रहे।

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर

02 APR 2026

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण दिनांक.....

राजस्थान एवं ओडिशा के स्थापना दिवस पर लोकभवन में दिखे लोक कला के रंग

राज्य ब्यूरो, जागरण, देहरादून : लोक भवन में एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत राजस्थान एवं ओडिशा राज्यों के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। उत्तराखंड में कार्यरत दोनों राज्यों के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ओडिशा की बालिकाओं की ओर से प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य ने सभी का मनमोह लिया और वहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक प्रस्तुत की।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए राजस्थान एवं ओडिशा राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन भारत की विविधता में एकता की परंपरा को सशक्त बनाते हैं। यह केवल स्थापना दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक एकात्मता और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने एक भारत, श्रेष्ठ भारत पहल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच का परिणाम बताते हुए कहा कि इस अभियान से राज्यों के बीच भाषा, संस्कृति और परंपराओं का आदान-प्रदान बढ़ रहा है। इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिल रही है। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में राष्ट्रीय एकता का महत्व और बढ़ गया है तथा ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव और समन्वय को मजबूत करते हैं।

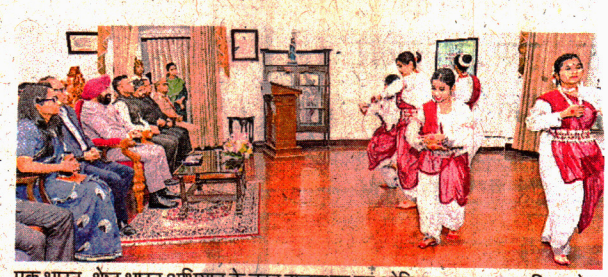

एक भारत, श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत राजस्थान एवं ओडिशा राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ओडिशा की बालिकाएं पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत करते हुए ● सूवि

उत्तराखंड सरकार
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग
राजभवन सूचना परिसर
समाचार पत्र का नाम Garhwal Post
दिनांक 02 APR 2026

Rajasthan & Odisha State Foundation Days celebrated at Lok Bhawan

Garhwal Post Bureau

DEHRADUN, 1 Apr: As part of the "Ek Bharat, Shreshtha Bharat" campaign, a programme was organised at Lok Bhawan today to celebrate the State Foundation Days of Rajasthan and Odisha. Officials from Rajasthan and Odisha working in Uttarakhand, along with other dignitaries, attended the event.

The programme featured cultural dance performances by girls from Odisha, showcasing the rich traditions of the state, which captivated the audience.

Governor Lt General Gurmit Singh (Retd) congratulated and extended his best wishes to the people of Rajasthan and Odisha. He said that such events are symbols of India's great tradition of "Unity in Diversity", binding the nation together. He emphasised that these celebrations are not just about state foundation days but are a living example of India's cultural integration, strengthening emotional connections among states.

The Governor highlighted that the "Ek Bharat, Shreshtha Bharat" initiative reflects the visionary thinking of Prime Minister Narendra Modi, promoting the exchange of culture, language, and traditions between different states. He added that India's greatest strength lies in this unity in diversity, which ensures the country's stability, security, and prosperity.

He also noted that, in today's global scenario, national unity has become even more important, and such programmes play a vital role in fostering harmony and cooperation in society.

The event was attended by PCCF (HoFF) Dr Ranjan Kumar Mishra; Chief Conservator of Forests Dr Sharda Prasanna Subuddhi; Secretary to the Governor Ravinath Raman; Additional Secretary Reena Joshi; Additional Secretary Rohit Kumar Meena; Chief Conservator of Forests, Projects & Community Forestry, Sushant Kumar Patnaik; Chief Conservator of Forests, Promotion & Eco-Tourism, Prasanna Kumar Patro; representatives of the Odisha community Pranati Subuddhi, Dr SP Subuddhi, Balbir Singh, Dr Janki Ballav Rath, other officials and staff.

This programme highlighted the spirit of national integration, cultural exchange, and mutual understanding among Indian states.